सेखावाटी तिमाई पतरिका

आपणी सेखावाटी, आपणी बोली

अक्टूबर सूं दिसम्बर 2017

बडा सुपना देखबाळा का बडा सुपना पूरा होवअ ह। - ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

संपादक

निरमाण सोसायटी, नोलगड, झुंझनू

जाणबा क्ले

आपणा राजस्तान मअ बोळी सारी बोलियां बोली जा ह। बिमअ एक सेखावाटी बोली बी बोली जा ह। आ बोली राजस्तान कअ चूरू, झुंझनू अर सीकर जिला मअ बोली जा ह। बिमअ सगळा लोगां की संख्या लमसम 68.53 लाख ह। ई बोली नअ आपणा एरिया मअ "सेखावाटी बोली" को नांव दियो गयो ह। जखी आपणा घरकां, गांमका मिनखा कअ सागअ अर ठिकाणा मअ आपणी बोली बोलां हां, पण दो-च्यार बरस ऊं ई बोली नअ भूलता जार्यां हां। ई क्ले आपणी बोली नअ बणाया राखबा क्ले कई तरियां की पोथियां बणाई ह। जखी मअ सूं एक पतरिका "सेखावाटी तिमाई पतरिका" बणाई ह। बिमअ आपणी बोली मअ बोली जाबाळी काहणियां, चुटकला, कहबत, सुबिचार, भजन, धमाल, लोकगीत, पाहळी, घरेलू नुसखा अर सिरकार की योजना अ सअ लिख्या गया ह। आनअ लिखबा को ओ मकसद ह कअ आपणी मान-मरयादा नअ बणाया राखबा क्ले अर आपणी बोली पिडी दर पिडी बणी रह सकअ जिसूं आपणी बोली खतम नअ होवअ। आपणी बोली को अबतांई कोई कन बी लिखेड़ो रूप कोनि। राजस्तान मअ सअ सूं पेली आपणी बोली को लिखेड़ो रूप देण क्ले ओ काम निरमाण सोसायटी कअ दुआरा कर्‌यो जार्‌यो ह, पण थ्हारअ लोगां कअ सारा बिना ओ काम अधूरो ह।

सेखावाटी भजन

फकीरी अलबेला रो खेल

परीत नअ किज्ये पंछी जेसी जल सुखे उड़ जाय।

परीत किज्ये मछली जेसी जल सुखे मर ज्याय॥

अब रे काय रअ सके ना खेल फकीरी रअ अलबेला रो खेल [टेर]

अब ज्यूं रण माही लड़अ नर सूरा ईणिया झुक रही सेल,

गोळी तो नार जुझरबा चालअ सतमुख लेवअ झेल-1 [टेर]

अब सति पति संग निसरी रअ अपणअ पिय कअ गेल,

सुरतअ लगी बा पति चरणा मअ अगम कया का मेल-2 [टेर]

अलड़ पांख जूं उल्टा रअ चालअ बांस भरत नट खेल,

म्हे रूत की सर छेत गत बता चढगी या गमका मेल-3 [टेर]

अब दोय रअ एक रहवअ ना रअ दूजा आप-आप रो खेल,

कह सामत कोई अकल पिछावअ लीनी गरीबी झेल-4 [टेर]

सेखावाटी धमाल म्हाजन छुट्‌टी दे

म्हाजन छुट्‌टी दे म्हारी गोरी को परवानो आयो रे म्हाजन छुट्‌टी दे [टेर]

सीधअसिरी मअ लिख्या ओळमा घर की गोरी म्हारी रे,

कागद बांचो बेगा आवो फागण आयो रे म्हाजन छुट्‌टी दे-1

खाता री खतियावण करल्यो जमा खरच रोकड़ मअ...

दो म्हीना रो खरचो देद्‌यो देवास देदे रे म्हाजन छुट्‌टी दे-2 [टेर]

छ सो रिपिया देदे नगदी खातअ मअ खतियालअ रे,

आरती तो खूब कर म्हे आया रहस्या रे म्हाजन छुट्‌टी दे-3 [टेर]

गोहाटी सूं टिकट कटा म्हे लाडणू नअ ज्यास्यां रे,

चोफेदी मअ जाय गोरी सअ मिलस्या रे म्हाजन छुट्‌टी दे-4 [टेर]

गोरखनाथ जी को गीत

कअण चिणायो गोरख जी देवअरो कअण दिराई गजनीम गोरख रो चेलो यद बूण्यो॥

राजा जी चिणायो गोरख जी रो देवअरो सेवका दिराई गजनीम गोरख जी रो चेलो यद बूण्यो॥

असी ए खुसा मअ गोरखनाथ देवरो सगळी सअसंट मअ जगां जोत गोरख जी रो चेलो यद बूण्यो॥

चूनअ ए कळी को गोरखनाथ देवरो अगड़ चनण रा किंवाड़ गोरख जी रो चेलो यद बूण्यो॥

अगुणो तो सामो गोरख जी रो देवरो धजा ए फरूकअ असमान गोरख जी रो चेलो यद बूण्यो॥

घी भर दिवअलो गोरखनाथ जोड़स्या लूळ-लूळ लेस्या थ्हारी लोय गोरख जी रो चेलो यद बूण्यो॥

चढ नअ चढावां गोरखनाथ चूरमो ओर चूंट्‌याळा नाळेर गोरख जी रो चेलो यद बूण्यो॥

कोरो सो कळस्यो गोरखनाथ जळ भर्यो इमरस चळू ए कराय गोरख जी रो चेलो यद बूण्यो॥

कहबत

1. आंट मअ आयेड़ो लो टूटअ।

अर्थ:- मुसीबत आने पर बलवान को भी हारना पड़ता है।

2. आंधा कअ आगअ रोवअ अपणा दिदा खोवअ।

अर्थ:- मूर्ख के आगे ज्ञान की बात करना बेकार है।

सिरकारी योजना

खाणो - (इसकूल का टाबर – दोफारी को खाणो परयोजना

दोफारी कअ खाणा की योजना को लकस्य ह कि हरेक इसकूल कअ टाबरा (ककस्या 8 तांई) नअ एक बखत को खाणो मिलअ। आ योजना बी भरस्टाचार मअ रळेड़ी ह, पण कई राज्य मअ आ योजना सफल रूप सअ काम करी ह।

1. समंदी बिभाग (केन्दर सिरकार:- इसकूल सिकस्या अर साकसरता बिभाग)

   राजस्तान सरकार:- मिड-डे मिल अथोरटी

2. हक

(Best Supreme: Supreme court order
http://www.sccommissioners.org/FoodSchemes/MDMS.html)

1) सगळी सिरकारी पराथमिक इसकूल मअ ककस्या 8 तांई कअ हरेक टाबर नअ इसकूल कअ हरेक दिन चोखो खाणो मिलअ।

2) दोफारी कअ खाणा की योजना कअ बारअ मअ रोजी–रोटी हक अभियान कअ काम नअ देखबा क्ले ऊपर दियेड़ी बेबसाइट पअ देखो।

3) 100 मिलियन टाबर ई कअ मांय आवअ हं (जग को सअ सूं बडो चोखा खाणा को कारयकरम)

4) रोजिना 2 मां-बाप का परिवार नअ खाणो देखण को हक ह।

3. फारम भरबा को तरीको

1) सगळी सिरकारी पराथमिक इसकूल (टाबर 1 बरस सूं 8 बरस तांई) मअ दोफारी कअ खाणा की परयोजना होणी ई चाये।

2) जे कोई इसकूल मअ आ परयोजना नी ह तो टाबरां कअ मां-बाप नअ समंदी इसकूल नअ सिदी सिकायत लिखणी चाये।

4. दबाव (जे फारम भरबा कअ पाछअ सफलता नी मिलअ)

जे खाणा मअ कोई कमी-बेसी ह तो:-

1) इसकूल मअ सिदा सिकायत कर सको हो।

2) सिदा दोफारी कअ खाणा क्ले पराधिकरण सूं सिकायत करो।

3) कोट-कचेड़ी कअ जज कअ अपसर कअ राय देबाळा सूं बात करो (आपां जखा नअ जाणा हां)

- डॉ. प्रदीप भार्गव

फोन नमर - 915322569214

ई-मेल - pradeep1412@rediffmail.com.

- डॉ. जिनी श्रीवास्तव

फोन नमर – 09414164512

ई-मेल - astha@gmail.com.

4) रोजी-रोटी हक अभियान सूं बात करो अर उपर दियेड़ी बेबसाइट पअ देखो।

काहणी

भगति मअ सकति

एक गरीब बुडी लुगाई ही। आपकी खुड्डी मअ एकली ई रह्या करती ही। बिकअ कन एक गऊ ही। बिकअ सारा सूं आपको जीवन को गुजारो करती। नोरता चालर्‌या हा। बा आपकी खुड्डी मअ बेठी-बेठी रोजिना देखती कि गांम का मिनख भोत ठाट-बाट सूं पूजा को थाळ अर परसाद लेकी मन्दर मअ ले ज्याता। बानअ देखकी बुडिया सोचती कि मअ अत्ती ठाट सूं पूजा नी कर सकूं, मेरकन बोळो धन कोनि अर बिकी पूजा करबा की मनस्या कोनि होती। एक दिन बा सोची कि जे पूजा नी कर सकूं तो आरती तो कर सकूं हूं। आ सोचकी बा उठी। अपणी गऊ कअ दूद सूं निकाळेड़ो घी लियो। पाड़ोसी कअ बणिया कअ खेत सूं थोड़ी सी रूई ल्याई। एक दीवा मअ घी घालकी मन्दर कानी चालदी। खूब सरदा-भगति सूं बा आरती कररी ही। थोड़ा दिना पाछअ बिनअ एक ग्यानी सूं ग्यान मिल्यो। नअ कोई बरत, नअ कोई खरचो। खाली साफ मन की भावना, सरदा-भगति सूं बिनअ ओ मिलअगो, कोई बिना सकति नारी की बेजती नी करनी चाये। हो सकअ बिमअ सकति की कमी हो पण भगति की सकति हो सकअ।

सीख:- मिनख नअ भगति करनी चाये क्यूंकि भगति मअ सकति होवअ।

देसी नुसखो (दांत मअ दरद होवअ)

जे थ्हारअ दांत मअ दरद होर्‌यो होवअ तो लसण नअ काम मअ लेणो चाये। लसण दांता कअ दरद नअ ई दूर कोनि करअ दांता कअ कीड़ा नअ अर मूं की सिड़ान नअ बी दूर करअ ह। जखा क्ले रूई मअ लसण कअ तेल का थोड़ा सा टोपा लेकी जखा दांत मअ दरद होर्‌यो ह बठे 10-15 मिनट तांई दबाल्यो। ओ दिन मअ 2-3 बर करो। 10 गराम लसण की पोथियां नअ 50 गराम घीया कअ सागअ पीसल्यो अर आदा लीटर पाणी मअ उबाळल्यो अर जद पाणी आदो रहज्या जणा छाणल्यो अर बी पाणी सूं कुल्ला करबाऊं बी दांत को दरद सई होज्या ह।

दोहा

अमर पटा मेरअ गुरू लिख दिया जागिरी साची।

गुरू की आंच लगी मेरअ तन-मन मअ जागअ बिरअ बाती,

सूरत कलाळी प्याला फेरअ पिवो सेण साती॥

अर्थ:- जिस प्रकार जागीरदार की भूमि का राजा अधिकार पत्र देता है उसी प्रकार सतगुरु ने मेरे लिये भी ज्ञान का पत्र लिख दिया है। गुरु के ज्ञान की चोट जब मेरे तन और मन में लगी है तो उसका उजाला मेरे मन के अन्दर हो गया है। इसलिये कहा गया है कि गुरु जी ज्ञान रूपी सूरत का प्याला लिये फिरते है जिसका सभी को पान करना चाहिये।

पाह्‌ळी

1.सावण मअ सुंसाट करअ, पगां चलावअ कार, ई पाह्‌ळी को अरथ बतादे रिपिया द्‌यूं हजार – भूंडियो

2. छोटी सी पिदकी, पिद-पिद करती, सारअ दिन चरती, लेडा नी करती – दांती

थ्हारा बिचार

ई पतरिका अर आपणी लिखेड़ी बोली कअ बारा मअ थ्हारा के बिचार ह। बअ थ्हे म्हानअ बतावो। थ्हार कन सेखावाटी बोली मअ कंय्या की बी लिखेड़ी कोई पोथी होवअ बिमअ आपणी बोली की काह्‌णिया, कहबत, चुटकला, नाटक, भजन, धमाल, गीत, पाह्‌ळी, सेखावाटी को इतियास, कथा अर कोई जीवनी आ सगळा कअ बारा मअ कोई बी लिखेड़ी पोथी होवअ तो थ्हे म्हानअ द्‌यो जिसूं म्हे थ्हारी फोटू कअ सागअ थ्हारो सगळो ठोर-ठिकाणो अर नांव बी छापअंगा जिसूं आपणी बोली नअ बढावो मिलअगो।

ई क्ले थ्हारा लोगां सूं बिनती ह कअ आपणी बोली मअ ई काम नअ बढाबा मअ थ्हे म्हारी मदत करो। थ्हारो पधारणो अर लिखेड़ो लेख सदा ई सुवागत कअ काबिल रहगो।

बणाबाळा:-

कमलेश कुमार अर विक्रम सिंह

मदत करबाळा:-

मुकेश कुमार योगी, रतन लाल योगी

अर कविता योगी

ठिकाणो

निरमाण सोसायटी

म्होल्लो आथूणो, खतरी कलोनी, वारड नमर 6,

नोलगड, झुंझनू, राजस्तान, पिन कोड - 333042

फोन नमर - 01594-223776